झारखण्ड अधिविद्य परिषद्, राँची

WEB-NOTICE – 13/2024

<u>द्वितीय प्रशिक्षित सहायक अध्यापक (सम्प्रति पारा शिक्षक) आकलन परीक्षा, 2024 से संबंधित आवश्यक सूचना</u>

विज्ञप्ति संख्या– 38/2024 के माध्यम से द्वितीय प्रशिक्षित सहायक अध्यापक (सम्प्रति पारा शिक्षक) आकलन परीक्षा, 2024 के आयोजन के निमित्त परीक्षा आवेदन प्रपत्र जमा करने हेतु निर्धारित कार्यक्रम का प्रकाशन किया गया है। उक्त में टंकण त्रुटि के कारण परीक्षा आवेदन प्रपत्र ऑनलाइन जमा करने की तिथि दिनांक 01.04.2024 से 26.10.2024 प्रकाशित है। उक्त विज्ञप्ति को निम्नवत् रुप में पढ़ा जाय :–

स्कूली शिक्षा एवं साक्षरता विभाग (प्राथमिक शिक्षा निदेशालय), झारखण्ड सरकार की अधिसूचना संख्या– 16/य.1–04/2022–238 दिनांक 14.02.2022 तथा 2504 दिनांक 28.09.2022 द्वारा वैसे प्रशिक्षित सहायक अध्यापक (पारा शिक्षक), जो शिक्षक पात्रता परीक्षा (JTET) उत्तीर्ण नहीं हैं, के मानदेय में वृद्धि करने हेतु आकलन परीक्षा का आयोजन करने का प्रावधान किया गया है। इस हेतु झारखण्ड अधिविद्य परिषद् को अधिकृत किया गया है। उक्त अधिसूचना के आलोक में आकलन परीक्षा, 2024 का आयोजन परिषद् द्वारा किया जा रहा है। परीक्षा से संबंधित आवश्यक दिशा–निर्देश एवं कार्यक्रम निम्नवत् है :–

- ❖ स्कूली शिक्षा एवं साक्षरता विभाग (प्राथमिक शिक्षा निदेशालय), झारखण्ड सरकार की अधिसूचना संख्या– 16/य.1–04/2022–238 दिनांक 14.02.2022 तथा 2504 दिनांक 28.09.2022 में वर्णित शर्तों के अधीन सहायक अध्यापक (पारा शिक्षक) आकलन परीक्षा का आयोजन किया जाएगा।
- ❖ परीक्षा आवेदन प्रपत्र परिषद् के वेबसाइट **www.jac.jharkhand.gov.in/jac/** के माध्यम से निम्नवत् कार्यक्रम के अनुसार ऑनलाइन भरा जाएगा।

परीक्षा आवेदन प्रपत्र जमा करने की तिथि	**<u>दिनांक 01.10.2024 से 26.10.2024</u>**

- ❖ <u>परीक्षा शुल्क</u>
  - ➢ अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति एवं दिव्यांग अभ्यर्थियों के लिए–500/– रुपये
  - ➢ अन्य सभी अभ्यर्थियों के लिए – 750/– रुपये
- ❖ परीक्षा शुल्क की राशि ऑनलाइन Payment Gateway के माध्यम से जमा किया जा सकेगा। शुल्क की राशि जमा नहीं किए जाने की स्थिति में प्रवेश पत्र निर्गत नहीं किया जाएगा।
- ❖ प्रवेश पत्र डाउनलोड करने एवं परीक्षा की तिथि बाद में प्रकाशित की जायेगी।

ऑनलाइन आवेदन प्रपत्र भरते समय विषयों के चयन में पूरी सावधानी बरतें। त्रुटि होने की स्थिति में कोई भी परिवर्तन संभव नहीं होगा और न ही किसी अभ्यावेदन पर विचार किया जा सकेगा।

***